भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 467

जिसका उत्तर 06.02.2025 को दिया जाना है

स्वचालित और इंटेलिजेंट मशीन सहायता प्राप्त निर्माण प्रणाली का उपयोग

467. प्रो. सौगत राय:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार के पास राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के निर्माण के लिए स्वचालित और इंटेलिजेंट मशीन-सहायता प्राप्त निर्माण (एआईएमसी) प्रणाली के उपयोग में तेजी लाने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) एआईएमसी के उपयोग से होने वाले लाभों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या देश में अब तक ऐसी प्रणाली का उपयोग किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने लखनऊ-कानपुर ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे परियोजना में स्वचालित और इंटेलिजेंट मशीन-सहायता प्राप्त निर्माण (एआईएमसी) प्रणाली की एक पायलट परियोजना शुरू की है, जिसमें जीपीएस-सहायता प्राप्त मोटर ग्रेडर, इंटेलिजेंट कॉम्पैक्टर और स्ट्रिंगलेस पेवर जैसी स्वचालित और इंटेलिजेंट मशीनों का उपयोग किया गया है।

एआईएमसी के परिकल्पित लाभों में निर्माण की गुणवत्ता से समझौता किए बिना कम समय में निर्माण, उत्पादकता में वृद्धि, वास्तविक समय में डिजिटल दस्तावेजीकरण और निगरानी तथा समतल सतह, पर्याप्त और समान रूप से कंपैक्ट सतह आदि जैसे गुणवत्ता मापदंडों पर बेहतर नियंत्रण शामिल हैं।

मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए एआईएमसी के उपयोग के लिए नीति को अंतिम रूप देने की पहल की है।

*****